प्रेस विज्ञप्ति
27.03.2026

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), मुंबई आंचलिक कार्यालय ने मेसर्स ज्ञानराधा मल्टीस्टेट को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड (डीएमसीसीएसएल) और अन्य के मामले में कथित वित्तीय अनियमितताओं और धन शोधन की चल रही जांच के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 26.03.2026 को **3.46 करोड़ रुपये** मूल्य की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। अस्थायी रूप से कुर्क की गई संपत्तियां खारघर, नवी मुंबई में स्थित कार्यालय इकाइयां (ऑफिस यूनिट्स) हैं।

यह कुर्की महाराष्ट्र के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में भारतीय दंड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई कई एफआईआर के आधार पर शुरू की गई मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई है। ये एफआईआर सुरेश कुटे और अन्य द्वारा डीएमसीसीएसएल के माध्यम से निवेशकों के साथ की गई धोखाधड़ी से संबंधित हैं। इन एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि सोसाइटी ने 12%-14% रिटर्न का वादा करते हुए कई उच्च-उपज जमा योजनाएं शुरू कीं, जिन्होंने बड़ी संख्या में निवेशकों को आकर्षित किया, लेकिन जमा राशि का भुगतान न होने या आंशिक भुगतान होने के कारण उन्हें भारी वित्तीय नुकसान हुआ।

ईडी की जांच में पता चला कि सोसाइटी के फंड का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 2,467 करोड़ रुपये, सुरेश कुटे और श्रीमती अर्चना कुटे के स्वामित्व/नियंत्रण वाले कंपनियों के समूह (कुटे ग्रुप) को कथित "ऋण" के रूप में हस्तांतरित किया गया था। ये भुगतान उचित दस्तावेज़ीकरण, संपार्श्विक प्रतिभूति या अंतिम उपयोग प्रमाणन के बिना किए गए थे, और वैध व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपयोग किए जाने के बजाय, फंड को व्यक्तिगत लाभ के लिए इस्तेमाल किया गया या असंबंधित व्यावसायिक हितों में निवेश किया गया।

अब तक, ईडी ने इस मामले में कई तलाशी अभियान चलाए हैं और कई अंतरिम कुर्की आदेश भी जारी किए हैं। इस मामले में अब तक जब्त/फ्रीज और कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य लगभग **1,625.36 करोड़ रुपये** है। इससे पहले, ईडी ने सुरेश कुटे को गिरफ्तार किया था और माननीय विशेष न्यायालय (पीएमएलए), मुंबई में अभियोजन शिकायत दायर किया था, जिस पर न्यायालय ने अपराध का संज्ञान लिया था। हाल ही में, ईडी ने श्रीमती अर्चना कुटे को भी 02.03.2026 को गिरफ्तार किया था और उन्हें 07.03.2026 को ईडी की हिरासत से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

आगे की जांच प्रक्रियाधीन है।

****